

राम जी की मत कर चोरी रे देसी भजन लिरिक्स



राम जी की मत कर चोरी रे,
जोधा घणा हुया धरती पर,
जाकी चली नहीं जोरी रे।bd।

चोरी करी लंका को रावण,
राम जी की हर लायो गोरी रे,
करियो कुटम्ब को नास,
झूठी माया बटोली रे।bd।

चोरी करी हिरणाकुश राजा,
निकल्यो थोरी रे,
भक्त सतायो अंत निशायो,
जाकी उड़ गयी खोरी रे।bd।

चोरी करी दुर्योधन शिशुपाला,
अनीति घोरी रे,
मे मे करता जलता बल गया,
जैसे होली रे।bd।

थारी मेरी छोड़ रामजी की,
पकड़ो डोरी रे,
चेतन भारती कहे भक्ति करले,
मुक्ति होवें होरी रे।bd।

राम जी की मत कर चोरी रे,
जोधा घणा हुया धरती पर,
जाकी चली नहीं जोरी रे।bd।

गायक – नन्दलाल गुर्जर डोड़ियाना ।
7742263326



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>